



Vishnu Khare

उत्तर:- चार्ली चैप्लिन की फ़िल्मों में निहित

त्रासदी/करुणा/हास्य का सामंजस्य भारतीय कला और सौंदर्यशास्त्र की परिधि में नहीं आता क्योंकि भारतीय कला में रसों की महत्ता है परंतु करुण रस के साथ हास्य रस भारतीय परंपराओं में नहीं मिलता है। यहाँ पर हास्य को करुणा में नहीं बदला जाता। 'रामायण' और 'महाभारत' में जो हास्य है, वह भी वह 'दूसरों' पर है। संस्कृत के नाटकों में विदूषक है वह राज व्यक्तियों से कुछ बदतमीजियाँ अवश्य करता है, किंतु करुणा और हास्य का सामंजस्य उसमें भी नहीं है।

7. चार्ली सबसे ज़्यादा स्वयं पर कब हँसता है?

उत्तर:- चार्ली सबसे ज़्यादा तब हँसता है, जब वह स्वयं को गर्वोन्नत, आत्म-विश्वास से लबरेज, सफलता, सभ्यता, संस्कृति तथा समृद्धि की प्रतिमूर्ति, दूसरों से ज़्यादा शक्तिशाली तथा श्रेष्ठ, अपने 'वज्रादपि कठोराणी' अथवा 'मृदुनि कुसुमादपि' क्षण में देखता है।

8. आपके विचार से मूक और सवाक् फ़िल्मों में से किसमें ज़्यादा परिश्रम करने की आवश्यकता है और क्यों?

उत्तर:- मेरे विचार से मूक फ़िल्मों में ज़्यादा परिश्रम की आवश्यकता होती है क्योंकि सवाक् फ़िल्मों में कलाकार अपने शब्दों द्वारा अपने भावों को व्यक्त कर सकता है परंतु मूक फ़िल्मों में कलाकार को केवल अपने शारीरिक हाव भाव से सी अपनी भावनाएँ व्यक्त करनी होती है जो कि सरल नहीं है।

9. चार्ली हमारी वास्तविकता है, जबकि सुपरमैन स्वप्न आप इन दोनों में खुद को कहाँ पाते हैं?

उत्तर:- मैं इन दोनों में अपने आप को चार्ली के निकट ही पाता हूँ क्योंकि एक आम इंसान होने के कारण स्वप्न देखकर भी हम सदा बेचारे और लाचार ही रहते हैं।

10. आजकल विवाह आदि उत्सव, समारोहों एवं रेस्तराँ में आज भी चार्ली चैप्लिन का रूप धर किसी व्यक्ति से आप अवश्य टकराए होंगे। सोचकर बताइए कि बाज़ार ने चार्ली चैप्लिन का कैसा उपयोग किया है?

उत्तर:- बाज़ार ने चाली का उपयोग अपने ग्राहकों को लुभाने और हँसी-मज़ाक के प्रतीक के रूप में उपयोग किया है।

• भाषा की बात

1. ...तो चेहरा चाली-चाली हो जाता है। वाक्य में चाली शब्द की पुनरुक्ति से किस प्रकार की अर्थ-छटा प्रकट होती है? इसी प्रकार के पुनरुक्त शब्दों का प्रयोग करते हुए कोई तीन वाक्य बनाइए। यह भी बताइए कि संज्ञा किन स्थितियों में विशेषण के रूप में प्रयुक्त होने लगती है?

उत्तर:- ...तो चेहरा चाली-चाली हो जाता है। वाक्य में 'चाली' शब्द सामान्य वास्तविकता का बोध कराता है।

वाक्य —

1. उपवन में लाल-लाल पुष्प खिले हैं।
2. पिताजी कुर्सी पर बैठे-बैठे सो गए।
3. भूख से बच्ची बिलख-बिलखकर रोने लगी।

2. नीचे दिए वाक्यांशों में हुए भाषा के विशिष्ट प्रयोगों को पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

1. सीमाओं से खिलवाड़ करना
2. समाज से दुरदुराया जाना
3. सुदूर रूमानी संभावना
4. सारी गरिमा सुई-चुभे गुब्बारे जैसी फुस्स हो उठेगी।
5. जिसमें रोमांस हमेशा पंचचर होते रहते हैं।

उत्तर:- 1. चार्ली की फ़िल्में विश्व में देखी जाती हैं। चार्ली फिल्मों ने समय भूगोल और संस्कृतियों की सीमाओं को लाँघ कर सार्वभौमिक लोकप्रियता हासिल की।

2. चार्ली के निर्धन होने के कारण समाज द्वारा ठुकराया गया था।

3. चार्ली की नानी खानाबदोश समुदाय की थीं। इसके आधार पर लेखक यह कल्पना करता है कि चार्ली में इसी कारण कुछ-न-कुछ भारतीयता है क्योंकि यूरोप में जिप्सी जाति भारत से ही गई थी।

4. यहाँ पर चार्ली के गरिमापूर्ण जीवन का परिहास का रूप लेना है।

5. यहाँ पर रोमांस का हास्यास्पद घटना में बदल जाना है।

***** END *****